

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी की डा. सोनिया बंसल को मिली अनुसंधान परियोजना

फरीदाबाद वाईएमसीए साइंस एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी में भौतिक विज्ञान की सहायक प्रोफेसर डा. सोनिया बंसल को हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए डोपड जिंक ऑक्साइड फिल्म के रूप में धातु के संरचनात्मक एवं ऑप्टिकल गुणों के अध्ययन पर एक अनुसंधान परियोजना आवंटित की है। डा. बंसल के अनुसार इस अनुसंधान पर आने वाली लागत को हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वहन किया जाएगा। इसके वित्त पोषण के लिए विभाग द्वारा लगभग 9 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। विभाग ने परियोजना में सहयोग के लिए 12 हजार रुपए मासिक मानदेय के साथ एक प्रोजेक्ट फैलो का पद भी स्वीकृत किया

है। जोकि दो वर्ष की अवधि के लिए है। भौतिक विज्ञान, नैनो अथवा मेटैरियल साइंस में न्यूनतम 55 प्रतिशत के साथ पीजी डिग्री या उच्चतर शिक्षा रखने वाला अभ्यर्थी परियोजना से जुड़ सकता है। भौतिक विज्ञान में अनुसंधान में रुचि रखने वालों को एक बेहतर अवसर है। इसके लिए 20 जून तक आवेदन किया जा सकता है। इसकी विस्तृत जानकारी यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर देखी जा सकती है। डा. सोनिया के अनुसार ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिक भौतिकी की वह शाखा है। जिसमें उन इलेक्ट्रॉनिक युक्तियों का अध्ययन किया



सोनिया बंसल।

जाता है। जो प्रकाश उत्सर्जित, नियंत्रित या प्राप्त करती हैं। इस परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य डोपड जिंक ऑक्साइड आधारित नैनो संरचना का निर्माण करते हुए इससे बेहतर ऑप्टिकल व आकार प्रदान करना है। जिससे छोटे आकार द्वारा बेहतर परिणाम लिए जा सके। जिंक ऑक्साइड को इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जैसे सेंसर, सोलर सेल, लेजर डायोड (एलडी) तथा एलईडी में आकर्षक रूप प्रयोग किया जा रहा है। डोपड जिंक ऑक्साइड आधारित नैनो संरचना अन्य पदार्थों की तुलना में बेहतर रोशनी प्रदान करते हैं। ऐसी नैनो संरचनाएं उच्च क्षमता की लागत में किफायती इलेक्ट्रॉनिक तथा ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के निर्माण में सहायक होती है।

Punjab Kesari (11.06.2016)

डा.सोनिया बंसल को मिली अनुसंधान परियोजना

फरीदाबाद, 10 जून (सूरजमल): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फरीदाबाद में भौतिक विज्ञान की सहायक प्रोफेसर डा. सोनिया बंसल को हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए डोपड जिंक ऑक्साइड फिल्म के रूप में धातु के संरचनात्मक एवं ऑप्टिकल गुणों के अध्ययन पर एक अनुसंधान परियोजना आवंटित की है। इस संबंध में जानकारी देते हुए डा. सोनिया बंसल ने बताया कि इस अनुसंधान पर आने वाली लागत को हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग वहन करेगा, जिसके वित्त पोषण के लिए विभाग ने लगभग 9 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं। डा. सोनिया ने बताया कि ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक भौतिकी की वह शाखा है।

जिसमें उन इलेक्ट्रॉनिक युक्तियों का अध्ययन किया जाता है, जो प्रकाश उत्सर्जित, नियंत्रित या प्राप्त करती हैं। इस परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य डोपड जिंक ऑक्साइड आधारित नैनो संरचना का निर्माण करते हुए इससे बेहतर ऑप्टिकल व आकार प्रदान करना है, ताकि छोटे आकार से बेहतर परिणाम लिए जा सके। जिंक ऑक्साइड को इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जैसे सेंसर, सोलर सेल, लेजर डायोड (एलडी) तथा एलईडी में आकर्षक रूप प्रयोग किया जा रहा है। डोपड जिंक ऑक्साइड आधारित नैनो संरचना अन्य पदार्थों की तुलना में बेहतर रोशनी प्रदान करते हैं।



फरीदाबाद जागरण सिटी

जिक ऑक्साइड पर अनुसंधान करेगी डॉ. सोनिया बंसल

II

दैनिक जागरण

नई दिल्ली, 12 जून 2016

जिक ऑक्साइड पर डॉ. सोनिया करेगी अनुसंधान

जासं, फरीदाबाद : चार्जमस्त्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में भौतिक

विज्ञान की सहायक प्रोफेसर डॉ. सोनिया बंसल ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए डोपड जिक ऑक्साइड फिल्म के रूप में धातु के संरचनात्मक एवं

ऑप्टिकल गुणों पर शोध करेगी। हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग शोध के लिए उन्हें परियोजना आवंटित की है। डॉ. सोनिया बंसल ने बताया कि इस अनुसंधान पर आने वाली लागत को हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग वहन करेगा।

विभाग ने शोध के लिए लगभग 9 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं। विभाग ने परियोजना में सहयोग के लिए 12 हजार रुपए के मासिक मानदेय के साथ एक प्रोजेक्ट फेलो का पद भी स्वीकृत किया है, जो दो वर्ष अवधि के लिए है। भौतिक विज्ञान, नैनो अथवा मेटिरीयल साइंस में न्यूनतम 55 प्रतिशत के साथ पोजी डिग्री या उच्चतर शिक्षा रखने वाला अभ्यार्थी परियोजना से जुड़ सकता है। इसके लिए 20 जून, 2016 तक आवेदन किया जा सकता है।

डॉ. सोनिया ने बताया कि ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक भौतिकी उन इलेक्ट्रॉनिक युक्तियों का अध्ययन किया जाता है, जो प्रकाश उत्सर्जित, नियंत्रित या प्राप्त करती हैं। जिक ऑक्साइड को इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जैसे सेंसर, सोलर सेल, लेजर डायोड (एलडी) तथा एलडी में आकर्षक रूप प्रयोग किया जा रहा है।



डॉ. सोनिया बंसल